

SALTOC Project  
Title: Hindustānī  
Imprint: Ilāhābāda : Hindustānī Ekeḍemī  
OCLC: 1752083  
Volume 72 number 4 (Oct-Dec 2011)  
TOC Supplied by: Center for Research Libraries

हिन्दुस्तानी  
(त्रैमासिक शोध एवं सृजन पत्रिका)

भाग ७२

अंक ४

अक्टूबर-दिसम्बर

सन् २०११

सम्पादक

बृजेश चन्द्र

सचिव

•

सहायक सम्पादक

ज्योतिर्मयी



हिन्दुस्तानी एकेडेमी  
इलाहाबाद

## अनुक्रम

### संपादकीय

### आलेख :-

- |                          |                                                                                             |    |
|--------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| <input type="checkbox"/> | हिन्दी उपन्यास साहित्य का दुर्लभ किस्सागो : मनोहर श्याम जोशी<br>—डॉ० जगत सिंह विष्ट         | ५  |
| <input type="checkbox"/> | पंत-साहित्य में गांधीवाद का प्रभाव—डॉ० शेर सिंह विष्ट                                       | ७  |
| <input type="checkbox"/> | निर्मल वर्मा का कथा विमर्श—डॉ० सरोज सिंह                                                    | १७ |
| <input type="checkbox"/> | अमृता प्रीतम के नारी पात्र—डॉ० मौसमी घोष                                                    | २७ |
| <input type="checkbox"/> | कला और धर्म में पशु-पक्षियों का प्रतीकात्मक चित्रण—संगीता गौतम                              | ३२ |
| <input type="checkbox"/> | जूही की कली : एक मूल्यांकन—डॉ० शिव गोपाल मिश्र                                              | ३८ |
| <input type="checkbox"/> | केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में श्रमिक चेतना—डॉ० विनय सिंह                                    | ४२ |
| <input type="checkbox"/> | हिन्दी के बढ़ते कदम : संदर्भ इंटरनेट—डॉ० श्रुति                                             | ४९ |
| <input type="checkbox"/> | 'माधवी' और स्त्री विमर्श—हरमिन्दर कौर                                                       | ६५ |
| <input type="checkbox"/> | सूर काव्य में राग तत्व एक सांगीतिक विवेचन—डॉ० ज्योति मिश्रा                                 | ६९ |
| <input type="checkbox"/> | लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों के स्वेच्छाचारी नारी पात्र<br>—डॉ० ज्योतिश्वर मिश्र             | ७५ |
| <input type="checkbox"/> | नई कविता और विविध विचारधाराएँ—डॉ० धनश्याम सिंह                                              | ७९ |
| <input type="checkbox"/> | उर्दू काव्य में राष्ट्रीयता के स्वर—डॉ० रीता श्रीवास्तव                                     | ८३ |
| <input type="checkbox"/> | रंगतन्त्र की चुनौतियाँ और डॉ० रामकुमार वर्मा का नाट्य संसार<br>—डॉ० जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव | ८९ |

### कविताएँ

- |                          |                                    |         |
|--------------------------|------------------------------------|---------|
| <input type="checkbox"/> | ओम प्रकाश अडिग / जयकृष्ण राय तुषार | १०८—११३ |
|--------------------------|------------------------------------|---------|

### पुस्तक समीक्षा

- |                          |                                                         |     |
|--------------------------|---------------------------------------------------------|-----|
| <input type="checkbox"/> | काव्य-भाषा के बहाने रहीम-काव्य की पड़ताल—डॉ० कमलेश सिंह | ११४ |
| <input type="checkbox"/> | हिन्दुस्तानी एकेडेमी की गतिविधियाँ                      | ११८ |
| <input type="checkbox"/> | रेखांकन—बृजेशचन्द्र                                     |     |